विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 24 जून 2020

वर्ग सप्तम राजेश कुमार पाणडेय

सन्धि- प्रकरणम्

1. दीर्घ – सन्धि - जब हस्व या दीर्घ दो समान स्वरों के मिलने पर उन दोनों के साथ पर एक स्वर्ण दीर्घ स्वर हो जाता है, तो उसे दीर्घ - सन्धि कहते हैं। इस सन्धि को इस प्रकार समझा जा सकता है -

1. अ/आ + अ/आ = आ 2. इ/ई + इ/ई = ई

3 . उ/ऊ + उ/ऊ = ऊ 4. ऋ/ॠ + ऋ/ॠ = ॠ

दीर्घ - सन्धि के उपयुक्त नियमों के निम्नलिखित उदाहरणों के माध्यम से समझा जा सकता है

(क्) धन + अर्थीः = धनार्थी

अ + अ =आ

(ख) पुस्तकं+ आलयः =पुस्तकालयः

अं +आ =आ

(ग) विद्या +अर्थी =विद्यार्थीः

आ+ अ=आ

(घ) मातृ +ऋणम् =मात्ऋणम्

ऋ+ ऋ =ॠ

गुण संधि- अ तथा आ के बाद यदि इ या ई आए,तो दोनों के स्थान पर ए हो जाता है, 'उ'या ऊ तो दोनों के स्थान पर 'ओ' हो जाता है।

'ऋ' या 'ॠ' आए तो दोनों के स्थान पर अर् हो जाता है।

संस्कृत व्याकरण में अ ,ए, तथा ओ को गुण कहा जाता है।

(क्) सुर +इन्द्रः =सुरेन्द्रः

अं+इ =ए

(ख्) सुर + ईशः =सुरेशः

अ +ई =सुरेशः

(ग) चन्द्र+उदयः =चन्द्रोदये

अ +उ =ओ